10. संचित अभिलेख (Cumulative Records)—संचित अभिलेख विद्यालयों के छात्रों के समस्त क्रियाकलापों का लेखा-जोखा होते हैं। विद्यालयों में प्रत्येक छात्र का एक अलग संचित अभिलेख तैयार किया जाता है जिसमें उसके नाम एवं कक्षा के साथ उसके पिता अथवा अभिभावक का नाम एवं पता अंकित किया जाता है; प्रवेश के समय छात्र की ऊँचाई कितनी थी और भार कितना था, यह अंकित किया जाता है, और समयान्तर से उसकी ऊँचाई और भार में कितनी वृद्धि हो रही है, यह अंकित किया जाता

Scanned with CamScanner

है; उसकी शैक्षिक प्रगति को अंकित किया जाता है; उसके द्वारा सहपाठ्यचारी क्रियाओं (खेल-कूद, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों) में भाग लेने को अंकित किया जाता है; उसके दूसरों के साथ व्यवहार को अंकित किया जाता है और उसके विद्यालय के अन्दर और विद्यालय के बाहर के व्यवहार को अंकित किया जाता है। इस प्रकार एक स्कूली छात्र के रूप में उसकी पूरी तस्वीर इस अभिलेख में अंकित होती है।

छात्र के इस अभिलेख का निर्माण सामान्यतः कक्षा अध्यापक करते हैं। कुछ विद्यालयों में यह कार्य विद्यालय कार्यालयों में किया जाता है। छात्र से सम्बन्धित शिक्षक छात्र के विषय में सम्बन्धित लिपिक को सूचनाएँ देते हैं और लिपिक उन्हें छात्र के संचित अभिलेख में अंकित करता है।

छात्र विशेष के संचित अभिलेख से छात्र की विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली प्रगति के साथ-साथ उसकी रुचियों, अभिवृत्तियों, सामाजिकता और उसके दूसरों के साथ व्यवहार की भी जानकारी होती है। इसका प्रयोग छात्र के व्यक्तिव के शीलगुणों (Traits) को जानने और कक्षा व विद्यालय में उसके स्थान को जानने के लिए किया जाता है।

परन्तु अधिकतर विद्यालयों में तो ये अभिलेख तैयार हीं नहीं किए जाते और जिनमें तैयार किए जाते हैं उनमें भी पूरी सावधानी से तैयार नहीं किए जाते इसलिए इनसे छात्र विशेष के बारे में मोटे-तौर पर ही जानकारी की जा सकती है, उसके किसी भी गुण का सही मापन नहीं किया जा सकता।

Scanned with CamScanner